

प्रेषक,

सी०भास्कर
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तरांचल जल विद्युत निगम लि०,
देहरादून।

ऊर्जा अनुभाग-2.

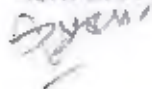
देहरादून: दिनांक: 18 सितम्बर, 2007

विषय:- वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु धनराशि की माँग के सम्बन्ध में (पाला मनेरी जल विद्युत परियोजना हेतु)।

महोदय

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या 543/यू.जे.वी.एम.एल./पी.एफ. एण्ड ए. दिनांक 9.8.2007 जिसके द्वारा राज्य की विभिन्न जल विद्युत परियोजनाओं के साथ ही पाला -मनेरी जल विद्युत परियोजना हेतु राज्य सरकार के अंशदान की माँग की गई है के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि पाला मनेरी-जल विद्युत परियोजना के निर्माण हेतु राज्य सरकार के अंशदान के रूप में रुपये 15,00,00,000.00 (रु० पन्द्रह करोड़ मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- यूजेवीएमएल उक्त धनराशि से कराये जाने वाले कार्यों की सक्षम स्तर से तकनीकी, प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त कर, परियोजना हेतु विगत वर्षों में अवमुक्त की गई धनराशि से कराये गये कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति तथा उपभोग प्रमाण शासन को उपलब्ध कराएगा तत्पश्चात् शासन स्तर से उक्त धनराशि को व्यय करने की अनुमति प्राप्त करने पर ही सम्बन्धित धनराशि का व्यय किया जायेगा।
- 2- उक्त स्वीकृत धनराशि का आवश्यकतानुसार किशतों में उत्तरांचल जल विद्युत निगम के निदेशक, वित्त, द्वारा तैयार बिलों पर जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर के उपरान्त ही आहरण किया जायेगा।
- 3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का अन्यत्र विचलन न किया जाय। साथ ही स्वीकृति के सापेक्ष कोई धनराशि किसी भी कारण से बचती है तो उसे तत्काल शासन को वापस कर दिया जायेगा।
- 4- स्वीकृत की जा रही इस धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र दिनांक 31.03.2008 तक तथा भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का विवरण संलग्न कर शासन को यथासमय उपलब्ध कराया जायेगा।
- 5- स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष सम्बन्धित कार्यों को सम्पन्न करने तथा भुगतान करने हेतु सभी वित्तीय नियमों की परिपालना सुनिश्चित की जायेगी।
- 6- भविष्य में ऋण/अंशपूजी की स्वीकृति तभी दी जायेगी जब निगम इस सदृश लेखों का मिलान महालेखाकार से करा लेगे और उनसे प्रमाण पत्र लेकर शासन को उपलब्ध करायेगा।



- 7- स्वीकृत धनराशि का कार्यवार/मदवार विवरण शासन को दि० 31.3.2008 तक उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- 8- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या 21 के लेखाशीर्षक 4801-बिजली परियोजनाओं का पूंजीगत परिव्यय-01-जल विद्युत उत्पादन-आयोजनागत-190-सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश-06-जल विद्युत परियोजनाओं हेतु यूजर्वीएनएल में निवेश-00-30-निवेश/ऋण के नामें डाला जायेगा।
- 9- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 358/XXVII(2)/2007, दिनांक 05 सितम्बर, 2007 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सी०भास्कर)
अपर सचिव

संख्या: 1207 /1(2)/2007-04(1)/45/06, तदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
- 2- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- प्रमुख सचिव, मुख्य मंत्री को मा० मुख्य मंत्री जी के संज्ञान में लाने हेतु।
- 5- निजी सचिव, ऊर्जा राज्य मंत्री को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 6- निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तरांचल।
- 7- श्री एल०एम० पत, अपर सचिव, वित्त, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 8- नियोजन विभाग
- 9- वित्त अनुभाग-2
- 10- निदेशक, राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 10- ✓ क्रमारी, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 11- ऊर्जा सैल, उत्तराखण्ड शासन।
- 12- गार्ड फाईल।

(सी० भास्कर)
अपर सचिव